

कृपया भार्गव पत्रिका के नवम्बर 2009 के पृष्ठ 7 को देखें।

* * *

जिसमें दान स्वरूप केवल 5,000 रुपया देकर आप अपने
प्रियजनों की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु शुभ-कामनाएँ दे सकते थे।

* * *

यह योजना प्रथम बार प्रारम्भ की गयी थी।
अतः केवल कुछ ही शुभचिन्तकों से हम सम्पर्क कर सके
और हमें सीमित सहयोग एवं सन्देश मिल सके।

* * *

हमने आश्वासन दिया था कि प्राप्त शुभ-कामनाएँ भार्गव पत्रिका के
अगले अंकों में निःशुल्क प्रकाशित की जावेंगी।
अतः सभी पाठकों की जानकारी हेतु उन्हें यहाँ छापा जा रहा है।

पिताश्री माताश्री



विगन नारायण भार्गव
1898-1975



चन्दकला भार्गव
1902-1983

की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु
शुभकामनाओं सहित



विजय नारायण-श्रीमती प्रतिमा भार्गव
ए-25, फ्रेंड्स कॉलोनी (ईस्ट)
नई दिल्ली-110065



पिता श्री माता श्री



स्व. पं० प्रवन्त राम भार्गव
1909-1973



स्व. श्रीमती प्रियेन देवी भार्गव
1911-1985

की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु
शुभ कामनाओं सहित




श्री मनमोहन कुमार- श्रीमती निर्मल भार्गव



श्री निहाल- श्रीमती मीरा भार्गव
श्री सतीश- श्रीमती निशा भार्गव




120वाँ अधिवेशन 2009, हरिद्वार

पिता श्री



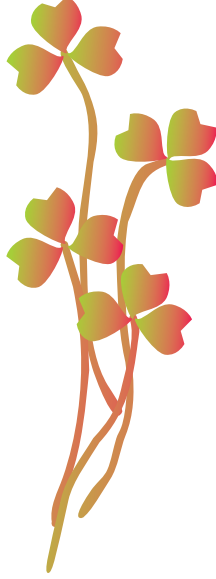
स्व. वैद्य चं. मोहन लाल भार्गव
20.10.1916-13.09.1998

की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु
शुभ कामनाओं सहित

श्रीमती प्रकाशवती भार्गव पत्नी
डा. ऋषि भार्गव पुत्र
डा. सुधा भार्गव पुत्रवधू

सी-32, पियूष पथ, बापू नगर
जयपुर-302015



पिता श्री



स्व. पं. गुरुकुंठ बिहारी लाल भार्गव (सांसद)
30.01.1903-18.12.1989

माता श्री



स्व. श्रीमती राजेश्वरी भार्गव (सांसद)



स्व. श्रीमती उषा भार्गव
18.02.1956-12.08.1979

की पुण्य स्मृति में अधिवेशन की सफलता हेतु शुभ कामनाओं सहित



मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र नाथ भार्गव (अवकाश प्राप्त)
20/46, रेनू पथ, अम्बेडकर मार्ग, मानसरोवर
जयपुर-302020

पिता श्री



स्व. श्री वैद्य प्रकाश भार्गव
01.03.1923-17.08.1992

माता श्री

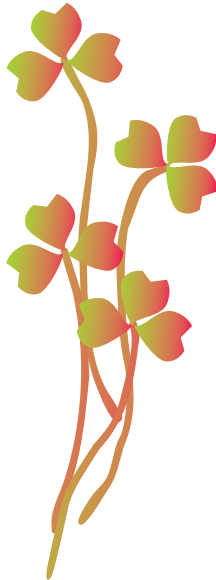


स्व. श्रीमती शारदा रानी भार्गव
08.05.1928-19.4.1986

की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु
शुभ कामनाओं सहित




डा. प्रदीप- श्रीमती मधु भार्गव
शारदा ग्राफिक्स(प्र.) लि.
901-902, गुल मोहर, फेज.॥, शास्त्री नगर, कानपुर



पिता श्री



स्व. श्री कैलाश नाथ भार्गव

माता श्री





स्व. श्रीमती राजेश्वरी भार्गव

की पुण्य स्मृति में
अधिवेशन की सफलता हेतु
शुभ कामनाओं सहित



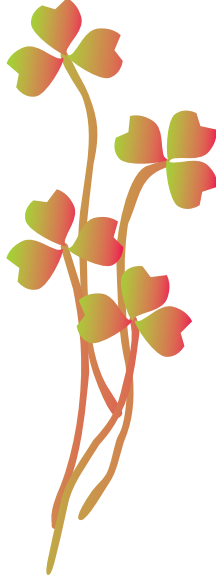

श्री वीरेन्द्र कुमार- श्रीमती रूप भार्गव
श्री रवीन्द्र नाथ- श्रीमती बूजरानी भार्गव
श्री राजेन्द्र नाथ- श्रीमती रेखा भार्गव
मथुरा
श्री हीरेन्द्र नाथ- श्रीमती अल्का भार्गव
गुडगाँव

पिता श्री

 स्व. विष्णु चन्द्र जोरैया
 16.08.1920-13.07.1982

माता श्री

 स्व. श्रीमती राजकुमारी जोरैया
 09.05.1924-08.04.2007

की पुण्य स्मृति में
 अधिवेशन की सफलता हेतु
 शुभ कामनाओं सहित

श्री सतीश चन्द्र भार्गव
 राँची
 श्री चन्द्रशेखर-श्रीमती शोभा भार्गव
 लखनऊ
 श्री सुधीर-श्रीमती अशका (रीता) भार्गव
 भिवाड़ी



माता श्री

 स्व. श्रीमती रुक्मणी-राँची
 15.09.1948-05.03.2009

की पुण्य स्मृति में
 अधिवेशन की सफलता हेतु
 शुभ कामनाओं सहित


 श्री सतीश चन्द्र-पति


 अनुराग-पुत्र


 तरुण-पुत्रवधु

श्री कृष्ण नगर,
 हरमू हउसिंग कॉलोनी
 राँची

स्व. श्री रविन्द्रनाथ भार्गव
 की स्मृति में



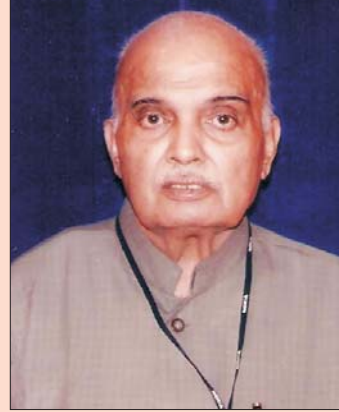
हार्दिक शुभकामनाएँ सहित

श्रीमती मालती (पत्नी)
 अनुपम (पुत्र) - पूनम (पुत्रवधु)
 जया (पुत्री) - कपिल (दामाद)
 विरूपम (पुत्र) - अलुभा (पुत्रवधु)
 वृत्तिका (पुत्री) - परितोष (दामाद)
 कृतिका - अर्पणा - कार्तिक - प्रज्ञा
 सनिध्य - प्रतुल - सुशी - नयन

सौजन्य से : **मार्डन इलेक्ट्रिक स्टोर**
मार्डन पुब्लिशिंग
 स्वामी घाट, मथुरा



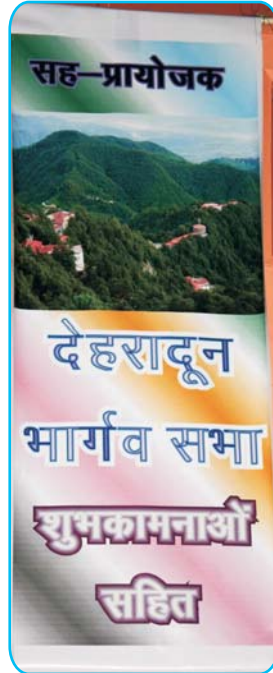
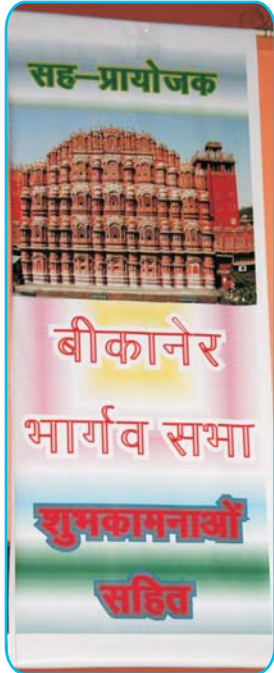
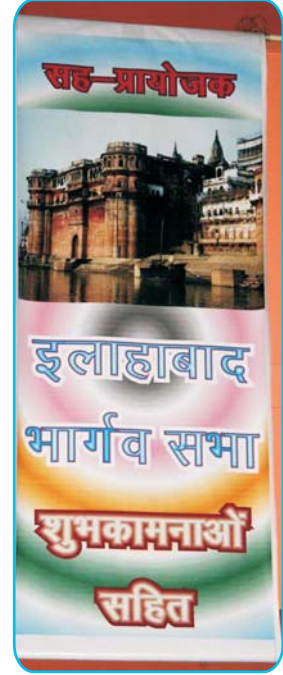
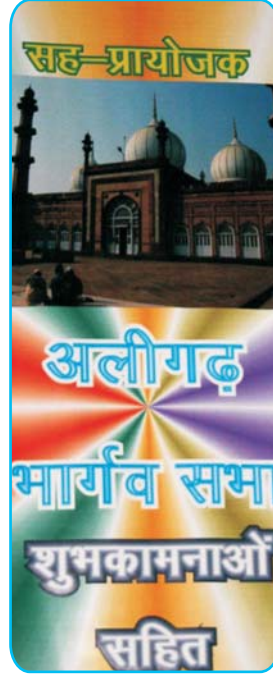
स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश भार्गव, दिल्ली



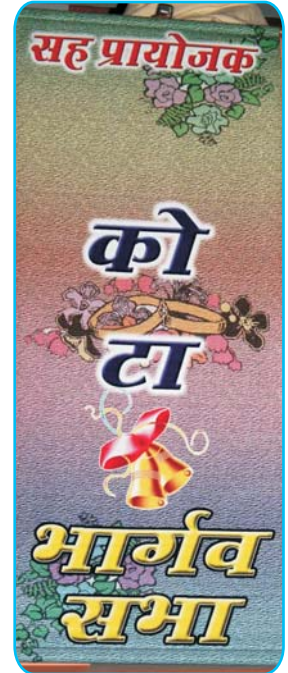
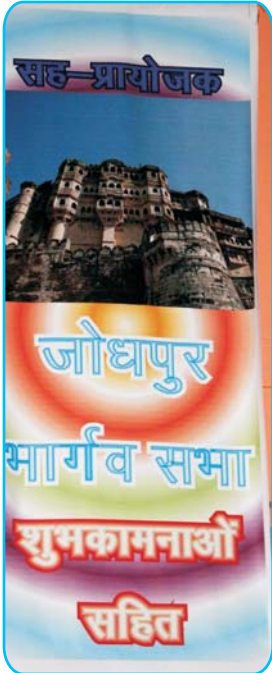
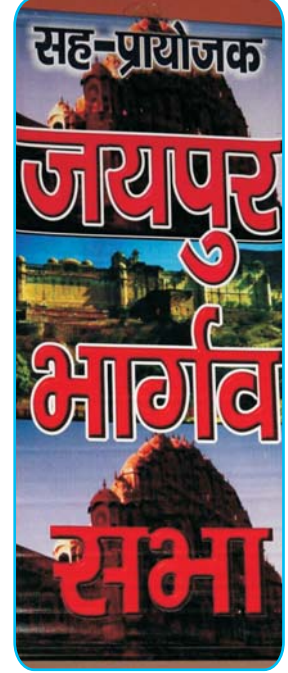
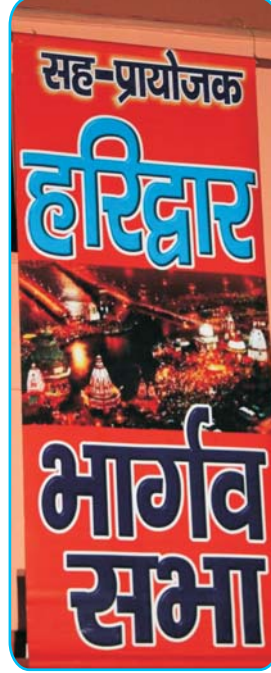
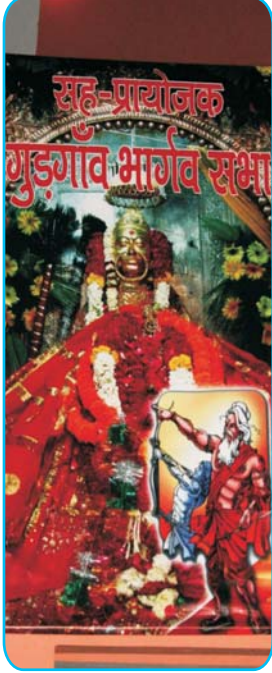
जन्म : 18.2.1941, मृत्यु : 19.8.2009

आपके द्वारा समाज की वंशानुगत सम्पदा एवं गौरव स्थलों के सम्बर्धन, संरक्षण एवं समदर्शन के लिये किये गये स्मरणीय योगदान के प्रति हम सभी श्रद्धानुवत हैं तथा उनके शोक संतप्त परिवार जनों के प्रति हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करते हैं।
 हैरिटेज उपसमिति के सदस्यों की श्रद्धांजली

हरिद्वार अधिवेशन की सफलता का मूल मन्त्र —
अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा स्वयं आयोजन करना
और स्थानीय भार्गव सभाओं का तन-मन और धन से सहयोग देना।



जरा ठहरिये, पूर्व पृष्ठ के केवल ये 8 नगरों ने ही अपना योगदान नहीं दिया था। नीचे दिये अन्य 8 बैनर भी ललिता आश्रम के मुख्य सभागार में सभी आगन्तुकों का स्वागत कर रहे थे।



120वाँ अधिवेशन 2009, हरिद्वार

नीचे दिये चार अन्य नगरों का भी सहयोग एवं योगदान रहा था। हमें आशा है कि भविष्य के अधिवेशनों के अवसर पर अनेक अन्य नगर भी अधिवेशन की सफलता हेतु अपना योगदान देंगे।

